हिन्दुस्तान

तीन साल में बाइस किडनी दान और ट्रांसप्लांट सफल

एम्स ऋषिकेश

- अंगदान के प्रति एम्स ऋषिकेश लोगों को कर रहा है जागरुक
- जरूरतमंदों की जिंदगी बचाने के लिए अंगदान की भूमिका अहम

ऋषिकेश, वरिष्ठ संवाददाता। एम्स ऋषिकेश में जनजागरुकता अभियान से लोगों में अंगदान के प्रति जागरुकता बढ़ी है। अब तक 22 सफल किडनी ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं। दो लोगों का मृत्यु के उपरांत विभिन्न अंगों का दान एवं प्रत्यारोपण किया गया है।

एम्स संस्थान में अंगदान एवं प्रत्यारोपण अभियान में अग्रणीय भूमिका निभाने वाले संस्थान के नेफ्रोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ. शैरोन कंडारी और यूरोलाजी विभागाध्यक्ष डॉ. अंकुर मित्तल के मुताबिक एम्स संस्थान की ओर से अंगदान एवं प्रत्यारोपण (ऑर्गन डोनेशन एंड ट्रांसप्लांट) को लेकर वृहद स्तर पर जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। संस्थान में अप्रैल-2023 में किडनी ट्रांसप्लांट प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसके बाद से एम्स, ऋषिकेश में वर्षवार लगातार किडनी डोनेशन और प्रत्यारोपण में इजाफा हुआ है। वर्ष 2023 में अप्रैल और सितंबर माह में (गुर्दे) की बीमारी से ग्रसित दो लोगों को परिजनों ने किडनी दानकर अवशेष जीवन को जीने में मदद की। इसी तरह एम्स संस्थान में वर्ष 2024 में कुल छह लोगों की किडनी ट्रांसप्लांट की गई, जो कि जनवरी में एक, मई में दो, सितंबर में तीन लोगों का गुर्दा प्रत्यारोपण किया गया। इसी प्रकार वर्ष-2025 में फरवरी माह में दो, मार्च में दो, मई माह में दो, सितंबर में दो, नवंबर में दो तथा दिसंबर माह में चार लोगों को सफल गुर्दा प्रत्यारोपित किए गए। जिसमें गुर्दे की गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के परिजन अपनी किडनी दान कर मददगार साबित हुए।

दो साल में हुए दो लोगों के केडवरिक ऑर्गन डोनेशन: एम्स संस्थान में अंग प्रत्यारोपण प्रक्रिया प्रारंभ होने के बाद से बीते तीन वर्षों में विभिन्न दुर्घटनाओं में गंभीर घायल दो लोगों के परिजनों द्वारा चिकित्सकों द्वारा संबंधित दुर्घटना ग्रसित व्यक्ति को ब्रेन डेड घोषित करने के बाद उनके परिजनों ने अपने प्रियजनों की केडवरिक ऑर्गन डोनेशन किए गए। इनमें संस्थागत स्तर पर पहला मल्टी ऑर्गन डोनेशन वर्ष 2024 में किया गया। अगस्त 2024 में कांवड़ यात्रा पर आए 25 वर्षीय युवक सचिन सड़क दुर्घटना में गंभीररूप से घायल हो गया था। एम्स में उपचार के दौरान उन्हें चिकित्सकीय टीम द्वारा ब्रेन डेड घोषित किया गया। परिजनों ने अंगदान कराने का निर्णय लिया, जिसके तहत 1 किडनी और पेनक्रियाज पीजीआई चंडीगढ़, 1 किडनी और लीवर आईएलबीएस दिल्ली और दो कॉर्निया एम्स ऋषिकेश को प्रत्यारोपण के लिए सौंपे गए। इसी प्रकार 23 जनवरी-2026 को दुर्घटना में गंभीर घायल व्यक्ति रघु को एम्स ऋषिकेश में इलाज के दौरान चिकित्सकों के ब्रेन डेड घोषित करने के बाद परिजनों के निर्णय पर उनका संस्थान में केडवरिक ऑर्गन डोनेशन किया गया।

स्वतंत्र चेतना

एम्स में 3 साल में 22 किडनी ट्रांसप्लांट

स्वतंत्र चेतना

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में अंगदान को लेकर चलाए जा रहे सतत जनजागरूकता अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। संस्थान में अंगदान एवं प्रत्यारोपण प्रक्रिया शुरू होने के बाद पिछले तीन वर्षों में अब तक 22 किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। एम्स के नेफ्रोलॉजी विभाग की डॉ. शैरोन कंडारी और यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अंकुर मित्तल के अनुसार, लगातार चल रहे जागरूकता कार्यक्रमों के चलते लोग अंगदान के प्रति प्रेरित हो रहे हैं और अपने परिजनों को नया जीवन देने के लिए आगे आ रहे हैं। वर्ष 2023 में जहां इस प्रक्रिया की शुरूआत के साथ केवल दो प्रत्यारोपण हुए, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर छह तक पहुंची और 2025 में लगातार बढ़ोतरी के साथ कई मरीजों को जीवनदान मिला। एम्स में किडनी ट्रांसप्लांट के साथ-साथ

केडवरिक ऑर्गन डोनेशन (मृत्योपरांत अंगदान) के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण पहल हुई है। बीते वर्षों में दो मामलों में ब्रेन डेड घोषित मरीजों के परिजनों ने साहसिक निर्णय लेते हुए उनके अंग दान किए, जिससे कई जरूरतमंदों को जीवन मिला। संस्थान के आई बैंक द्वारा अब तक 1246 कॉर्निया प्राप्त किए जा चुके हैं, जिनमें से 619 का सफल प्रत्यारोपण किया गया है। एम्स की निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि अंगदान एक महान और जीवन रक्षक कार्य है, जो कई लोगों को नया जीवन देने का माध्यम बनता है। उन्होंने समाज से अपील की कि अधिक से अधिक लोग इस पुनीत कार्य के लिए आगे आएं, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार मिल सके।

नवोदय टाइम्स

एम्स में 3 साल में हुए 22 किडनी दान व ट्रांसप्लांट

श्यामपुर, 18 अप्रैल (नवोदयटाइम्स): एम्स,ऋषिकेश में अंगदान को लेकर लगातार मुहिम जारी है, इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए एम्स संस्थान द्वारा चलाए जा रहे सतत जनजागरुकता अभियान का ही नतीजा है कि लोगों में अंगदान के प्रति जागरुकता बढ़ी है। संस्थान के इन्हीं प्रयासों के मद्देनजर यहां अंगदान एवं प्रत्यारोपण प्रक्रिया शुरू होने के बाद से अब तक 22 किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं।जिसमें लोगों ने एम्स की संकल्पबद्ध मुहिम से प्रेरित होकर अपने प्रियजनों को नया जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी तरह से दो लोगों का मृत्यु के उपरांत विभिन्न अंगों का दान एवं प्रत्यारोपण किया गया है। एम्स संस्थान में अंगदान एवं प्रत्यारोपण अभियान में अग्रणीय भूमिका निभाने वाले संस्थान के

नेफ्रोलॉजी विभाग की फैकल्टी डॉ. शैरोन कंडारी व यूरोलाजी विभागाध्यक्ष डॉ. अंकुर मित्तल के मुताबिक एम्स संस्थान की ओर से अंगदान एवं प्रत्यारोपण (ऑर्गन डोनेशन एंड ट्रांसप्लांट) को लेकर वृहद स्तर पर सततरूप से जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है, जिससे जरुरतमंदों को जीवनदान दिया जा सके। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में करीब तीन वर्षों से अंगदान के प्रति लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से समय समय पर जनजागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जारहा है, जिससे प्रेरित होकर लोग अंगदान को लेकर आगे आ रहे हैं।उन्होंने बताया कि संस्थान में अप्रैल-2023 में किडनी ट्रांसप्लांट प्रक्रिया शुरू की गई थी। जिसके बाद से एम्स, ऋषिकेश में वर्षवार लगातार किडनी डोनेशन व प्रत्यारोपण में इजाफा हुआ है। यह संस्थान द्वारा इस दिशा में सततरूप से जारी जनजागरुकता मुहिम का नतीजा है। जिसके अंतर्गत पहले वर्ष 2023 में क्रमश: अप्रैल व सितंबर माह में दो लोगों ने किडनी (गुर्दे) की बीमारी से ग्रसित अपने प्रियजनों को किडनी दान कर अवशेष जीवन को जीने में मदद की।

दो साल में हुए दो लोगों के केडवरिक ऑर्गन डोनेशन

एम्स संस्थान में अंग प्रत्यारोपण प्रक्रिया प्रारंभ होने के बाद से बीते तीन वर्षों में विभिन्न दुर्घटनाओं में गंभीर घायल दो लोगों के परिजनों द्वारा चिकित्सकों द्वारा संबंधित दुर्घटना ग्रसित व्यक्ति को ब्रेन डेड घोषित करने के उपरांत उनके परिजनों ने अपने प्रियजनों की केडवरिक ऑर्गन डोनेशन किए गए। इनमें संस्थागत स्तर पर पहला मल्टी ऑर्गन डोनेशन वर्ष 2024 में किया गया। जिसमें अगस्त -2024 में कांवड़ यात्रा पर आए 25 वर्षीय युवक सचिन सड़क दुर्घटना में गंभीररूप से घायल हो गए थे, एम्स में उपचार के दौरान उन्हें चिकित्सकीय टीम द्वारा ब्रेन डेड घोषित किया गया। जिसकी जानकारी टीम द्वारा उनके परिजनों को दी गई, इसके बाद उन्होंने अंगदान कराने का निर्णय लिया, जिसके तहत 1 किडनी व पेनक्रियाज पीजीआई चंडीगढ़, 1 किडनी व लीवर आईएलबीएस दिल्ली व 2 कॉर्निया एम्स ऋषिकेश को प्रत्यारोपण के लिए सौंपे गए।

अमर उजाला

एम्स : अंगदान से मिली 22 मरीजों को नई जिंदगी

ऋषिकेश। जीवन बचाने की जंग में एम्स के डॉक्टरों और अंगदान करने वाले परिवारों ने एक नई मिसाल पेश की है। एम्स में अंगदान मुहिम के तहत 22 सफल किडनी ट्रांसप्लांट और दो महादानियों द्वारा किए गए अंगदान ने चिकित्सा जगत को नई दिशा दी है।

एम्स के यूरोलाजी विभागाध्यक्ष डॉ. अंकुर मित्तल ने बताया कि संस्थान में अप्रैल-2023 में किडनी ट्रांसप्लांट प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसके बाद से एम्स में लगातार किडनी डोनेशन व प्रत्यारोपण में इजाफा हुआ है। यह सतत रूप से जारी जनजागरूकता मुहिम का नतीजा है। वर्ष 2023 में अप्रैल व सितंबर माह में दो लोगों ने किडनी (गुर्दे) की बीमारी से ग्रसित अपने प्रियजनों को किडनी दान कर शेष जीवन को जीने में मदद की।

वर्ष 2024 में कुल 06, वर्ष-2025 में 14 लोगों का सफलतापूर्वक गुर्दा प्रत्यारोपित किए गए। एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि अंगदान एक महान और जीवनरक्षक कार्य है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति अपने अंगों को मृत्यु के बाद या कुछ परिस्थितियों में जीवित रहते हुए किसी अन्य व्यक्ति को दान कर सकता है। यह चिकित्सा विज्ञान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसने असंख्य लोगों को नया जीवन प्रदान किया है। संवाद

एक नजर

- एम्स के आई बैंक में कुल 1246 कॉर्निया प्राप्त किए गए। 619 प्रत्यारोपित कॉर्निया और 308 कॉर्निया विभिन्न अस्पतालों में वितरित किए गए।

एम्स में देहदान व संकल्प के आंकड़े

- वर्ष 2012 से 2026 तक - 101
- वर्ष 2025-26- 9 बॉडी डोनेट
- संकल्पपत्र- वर्ष 2013-2026 तक 115
- वर्ष 2025-26-में 06 संकल्पपत्र भरे गए

ट्रांसपोर्ट इन्वॉल्विंग की शुरुआत

- 2018 से 2026 तक 54 डेड बॉडी ट्रांसपोर्ट, 03 विदेशी नागरिकों के शव भेजे, लंदन, कनाडा व सिंगापुर।
- 2025-26 में सर्वाधिक 26 डेड बॉडी भेजे गए।